वर्ष - 2, अंक - 1 जनवरी 2018
जे-7, श्रीराम नगर रायपुर (छ.ग.)
आर. एन. आई. पंजीकरण क्रमांक
CHHHIN/2017/72506

किलोल

संपादक - डा. आलोक शुक्ला
सह-संपादक - एम. सुधीश

संपादक मंडल -
राजेंद्र कुमार विश्वकर्मा , शेख अजहरुद्दीन

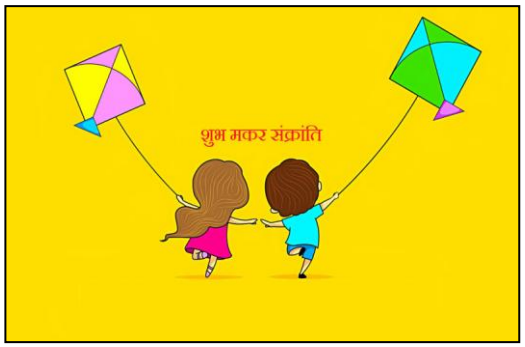

प्यारे बच्चों,

आप सभी को नव वर्ष शुभ हो और आप दिन दूनी रात चौगुनी प्रगति करें. इस अंक में हमें बहुत से बच्चों और शिक्षकों से प्रकाशन योग्य सामग्री मिली है. हम सभी का हृदय से धन्यवाद करते हैं. हमेशा की तरह यह अंक भी http://alokshukla.com/Books/BookForm.aspx?Mag=Kilol पर नि:शुल्क डाउनलोड के लिये उपलब्ध है. कहानी में हिन्दी एवं अंग्रेज़ी के शब्दों के एक साथ उपयोग का प्रयोग इस अंक में भी जारी है. इसके अतिरिक्त इस अंक में छत्तीसगढ़ी कहानी, छत्तीसगढ़ी बालगीत और छत्तीसगढ़ी पहेलियां भी हैं. वर्ग पहेली को भी हमने कुछ नया रूप देने का प्रयास किया है. हमें बच्चों के बनाए बड़े अच्छे चित्र भी मिले हैं जिनमें से एक का उपयोग हमने अगले माह की चित्र कहानी की प्रेरणा के लिये किया है. सभी से पुन: अनुरोध है कि किलोल के लिये सामान्य ज्ञान, विज्ञान के खेल, संस्मरण, चुटकुले कहानी और पहेलियां dr.alokshukla@gmail.com पर ई-मेल व्दारा भेजें. बच्चों को प्यार.

आलोक शुक्ला

मोर और कछुआ

संकलनकर्ता- डिगेश्वर कुमार पोर्ते, कक्षा सातवीं पूर्व माध्यमिक विद्यालय नवापारा

एक तालाब में कछुआ रहता था. उसी तालाब के किनारे पीपल के पेड़ पर एक मोर रहता था. वहां पर पीपल के अलावा इमली, बेर, आम आदि पेड़ थे. मोर आसपास के खेतों और बाड़ी से दाना चुगकर अपने पेड़ पर बैठ जाता था. जब काले काले बादल घुमड़ते थे, तब मोर अपने पंख फैलाकर सुंदर नृत्य करता था. मोर का नृत्य देखकर कछुआ पानी से बाहर निकल आता था. वह मोर का नृत्य देखकर बहुत खुश होता था. एक दिन उसने कहा कि वह मुझे भी नृत्य करना सिखा दो. मोर ने उसे नृत्य करना सिखाया. दोनों में मित्रता हो गई।

एक दिन मोर एक शिकारी के जाल में फंस गया. मोर ने कछुए से मदद की गुहार लगाई. चतुर कछुए ने शिकारी से कहा - मेरे मित्र मोर को छोड़ दो, इसके बदले मैं तुम्हें अनमोल मोती दूंगा. शिकारी मान गया. शिकारी मोती लेकर घर पहुंचा.

शिकारी के दो बेटे थे. दोनों बेटों में मोती के बंटवारे को लेकर झगड़ा हो गया. शिकारी ने झगड़ा खत्म करने के लिए एक और मोती के लालच में तालाब के पास पुनः जाल फैलाया. मोर एक बार फिर फंस गया. लालची शिकारी फिर से मोर के बदले मोती मांगने लगा. शिकारी की बात सुनकर कछुए को एक युक्ति सूझी. उसने कहा पहले वाला मोती लाकर दिखाओ, मैं वैसा ही मोती दूंगा. शिकारी ने घर से मोती लाकर कछुए को दिया. कछुए ने कहा - तुम मोर को छोड़ दो, मैं मोती लाकर देता हूं. शिकारी ने मोर को छोड़ दिया. मोर उड़कर पेड़ पर बैठ गया. कछुआ मोती को तालाब में फेंक कर तेजी से तालाब में चला गया. शिकारी हाथ मलता रह गया. इसीलिए कहते हैं कि लालच बुरी बला है.

<u>मातृभूमि से प्रेम</u>

लेखिका - कु. संजना मण्डावी, कक्षा- आठवीं, शा.क.मा.शा.कोण्टा

एक वन में एक सुंदर झील थी. उसमें बहुत सी छोटी बड़ी मछलियां, मेढ़क, एक बूढ़ा कछुआ एवं अन्य जल के जीव सुखपूर्वक रहते थे. झील के किनारे छायादार पेड़ लगे थे. उन पेड़ो पर दूर-दूर से पक्षी आकर बसते थे, झील का पानी पीते थे तथा क्रीड़ा करते थे. लंबे समय से वर्षा न होने के कारण धीरे-धीरे झील का पानी कम हो गया. अब झील में पक्षियों के लिए नहाना और पानी पीना कठिन हो गया. झील के किनारे पेड़ो पर रहने वाले पक्षी उसे छोड़कर दूसरे स्थान पर चले गए. कुछ समय बाद मेढ़क और अन्य जीव भी झील छोड़कर जाने लगे, तो बूढ़े कछुए ने सभी से कहा - यह झील हम सभी की मातृभूमि है. इसमें हम सभी ने जन्म लिया, पले-बढ़े, खेले-कूदे और इसने ही हमें आश्रय भी दिया. आज झील में पानी कम होने के कारण इसका त्याग करना उचित नही है. आओ हम सब मिलकर

प्रार्थना करें कि जल्दी से जल्दी वर्षा हो और झील भर जाए. उस बूढ़े कछुए की बात किसी ने नही सुनी और वे सभी झील छोड़कर चले गए. बूढ़ा कछुआ और मछलियां झील में ही रह गए. बूढ़े कछुए ने मछलियों के साथ प्रार्थना की जिसे ईश्वर ने सुन लिया। अगले दिन भारी वर्षा हुई और झील पानी से भर गई. झील को पानी से भरा हुआ देखकर वहां से गए हुए पक्षी, मेढ़क और अन्य जीव वापस आ गए. बूढे कछुए ने सबसे कहा कि हमें कष्ट होने पर भी अपनी मातृभूमि का त्याग नहीं करना चाहिए. बूढ़े कछुए की बात सुनकर सभी लज्जित हुए. उन्होने आगे से अपनी मातृभूमि न छोड़ने का संकल्प किया, और हंसी-खुशी सब मिलकर रहने लगे.

छत्तीसगढ़ी कहानी - लालच का फल

लेखिका - दीप्ति दीक्षित

एक गांव म एक झन किसान रहिस. ओखर बखरी मे गेहूं भूट्टा अउ किसम किसम के फल लगे रहिस. एक बार रात के ओ हा अपन बखरी म रखवारी करत रहिस त देखिस कि एक ठन घोड़ा जेखर मे पंख लगे हे, ते हा ओखर बखरी मे चरत हे. ओ घोड़ा हा अति सुघ्घर दिखत रहिस. किसान ह धिर लगा के ओखर कर गिस अउ ओखर पुछी ला धर लिस. घोड़ा डरागे ता किसान ओला पुछिस - ते कहां ले आये हस, अउ तोर मे पाखी काबर लगे हे? घोड़ा किहिस - मे राजा इंद्र के घोड़ा हो, अउ स्वर्ग म रहिथो. तोर बखरी ह बड़ सुघ्घर दिखीस. ता चरे बर आगे हो. किसान कहिथे - ओ सब तो ठीक हे, फेर मोला भी तोर संग स्वर्ग जाना हे. घोड़ा कहिथे ठिक हे फेर जब मे उड़ाहु, ततका जुवार ते मोर गोड़ ला धर लेबे, काबर के मोर पिठ मे तो केवल इंद्र देव ही बइठ सकत हे. ता ते मोर गोड़ ला

धरबे. किसान तैयार हो गे अउ अब ओहा घोड़ा संग स्वर्ग पहुच गे. हा ओ देखिस की चारो तरफ महल सुंदर-सुंदर औरत मन बड़े बड़े लड्डू, समोसा, जलेबी, बरा, बोबरा, सोहारी हावे. दूसर दिन जब किसान अपन घर आथे ता ओखर गांव के मन ला बताथे - मे तो काली स्वर्ग गे रेहेव. कोनो ओखर बात ला नई पतियाये. ता किसान कहिथे - ठीक हे तुमन मोर बात ला नई पतियावत हो ना, तो आज रात के तहु मन ला घुमाहु. किसान कहिथे की जब मे हर घोड़ा के गोड़ ला धरहु ता तहु मन पारी पारी मोर गोड़ ला धरत जाहू. जैसे रात के घोड़ा हा चरे बर आथे सब किसान के बताये अनुसार ओखर गोड़ ला धरत जाथे. अब घोड़ा हा जइसने आधा बिच म पहुचे रहिथे एक झन मइनखे किसान ला पुछ परथे कि स्वर्ग के कतका बड़े बड़े लड्डू मिलथे. अउ किसान बपरा घलोक अपन हाथ ला फइला के बता परथे - अतका बड़े बड़े.

अब ओखर बाद का होइस होही लइका मन तुमन बताओ?

एखरे सेती केहे गे हे कि लालच के फल हा बुरा होथे।

प्रश्न **1 -** घोड़ा कहा ले आये रहिस?

प्रश्न **2 -** किसान के बारी मा का का रहिस?

प्रश्न **3 -** किसान स्वर्ग म का का देखिस?

प्रश्न **4 -** मइनखे हा उड़ात खानी किसान ले का पुछिस?

नाम है प्यारे बापू का

लेखक - अत्रि प्रताप सिंह

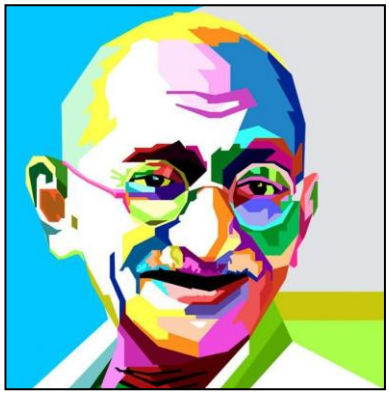

मोहन दास करमचंद गांधी
नाम है प्यारे बापू का
सदियों तक चमकेगा
एक-एक काम हमारे बापू का।

तन पे लंगोटि मन मे अहिंसा
रखकर हमेशा काम किया
अंग्रेजो से लेकर लोहा
देश का ऊँचा नाम किया।

देश की खातिर जिसने
अपना तन मन धन सब वार दिया
भेदभाव हर दिल से मिटाकर
प्रेम दिया और प्रेम लिया।

देकर भारत को आजादी
एक नया इतिहास रचा
बच्चा बच्चा देश का गाए
नाम हमारे बापू का।

छत्तीसगढ़ी बालगीत - जाड़ के दिन

लेखक - रघुवंश मिश्रा

अकड़गे लइका, अकड़गे सियान,

आगे जाड़, होईस मरे बिहान।

बड़े बिहन्ना ले, सूरूज ला ताके,

राजू, चुक्की, निक्की अऊ बांके,

एक दूसर ले कहै, आज नई नहान।।

बड़ बेरा ने रवानिया तापिन,

होईस बेरा तौ घर जाए मा कापिन,

मन म सोच के दाई के परही पिटान।।

बोरे बासी पताल के झोर,

खाके निकलिन मदरसा की ओर,

पढ़े लिखे म नई लागिस धियान।।

अपने जइसे दाई- बबा ल पाके,

कान म कहै गोदी म पवाके,

चल बद लेवन मितानिन-मितान।।

खिलते गीत

लखिका - सुधा रानी शर्मा

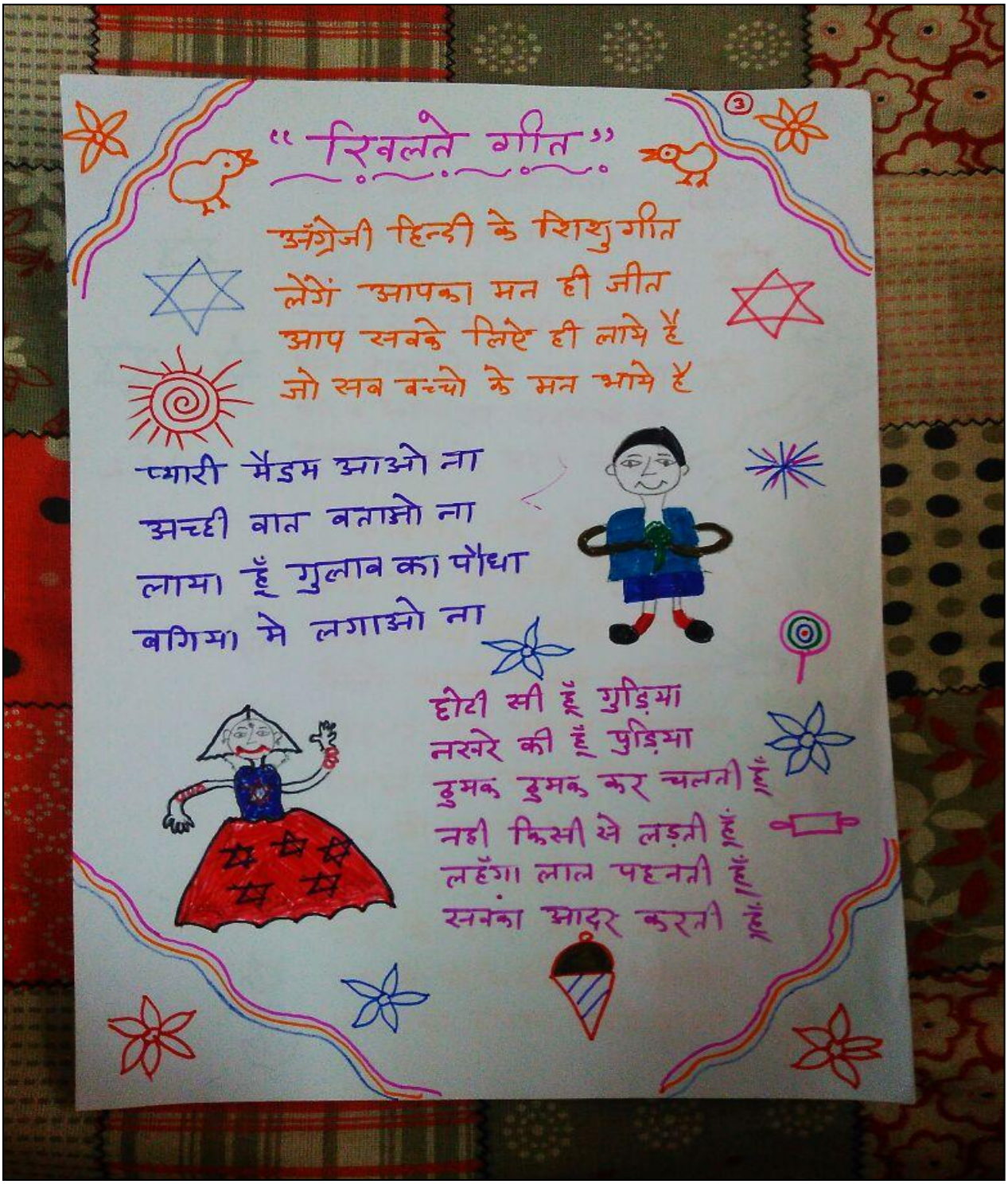

चित्र देखकर कहानी लिखो

पिछले अंक में हमने कहानी लिखने के लिये दीप्ति दीक्षित जी का बनाया हुआ यह चित्रा छापा था -

इस चित्र पर हमे बहुत सी कहानियां मिली हैं जिनमें से कुछ हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं -

दोस्ती

लेखक - अजीत गेरा

एक समय की बात है, एक जंगल में अचानक एक नया खरगोश आ गया. जंगल के सभी जानवरों को लगा कि यह अजनबी खरगोश जंगल के लिये खतरा हो सकता है. सब जानवरों ने मिलकर हिरन, कछुआ और चींटी को इस नए खरगोश को भगाने की जिम्मेदारी दी. वे तीनो खरगोश का पीछा करने लगे. खरगोश उनके

हाथ न आया. कई दिनों तक वह तीनो को अपने पीछे पीछे घुमाता रहा. एक दिन जब खरगोश पेड़ के नीचे सो रहा था तभी वहाँ हिरन, कछुआ और चींटी चुपके से आये और उन्होने खरगोश को रस्सी की सहायता से पेड़ से बाँध दिया. खरगोश जोर-जोर से रोने लगा. उसने बताया कि वह दूर किसी जंगल से आया है जहाँ कुछ दिनों पहले बहुत भयानक आग लग गई थी. वह अपने मम्मी पापा व पूरे परिवार से बिछड़ गया और इस जंगल में पहुंच गया. ये सुनकर तीनो की आँखे नम हो गईं. वे खरगोश को अपने साथ अपने कुनबे ले आये. वहाँ खरगोश की आपबीती सुनकर सभी ने खरगोश अपना लिया. खरगोश की उन तीनो से दोस्ती हो गई.

"बिना असलियत जाने किसी के लिए भी गलत सोच नहीं रखनी चाहिए"

अगली कहानी हार-जीत में नलिनी रराय जी ने हिन्दी एवं अंग्रज़ी के शब्दों को मिलाकर प्रयोग किया है. बच्चों को अंग्रेज़ी सिखाने में यह उपयोगी हो सकती है -

<u>हार-जीत</u>

लेखिका - नलिनी राय

One day एक Tortoise, एक Rabbit औऱ एक Deer तीनों एक tree के नीचे बात कर रहे थे. अचानक Tortoise एवं Rabbit में discussion होने लगा Rabbit बड़ा Proud था कि वह बहुत Fast दौड़ता है. Rabbit की बात सुनकर Deer ने कहा कि क्यों न दोनों के बीच दौड़ का competition हो जाए. Tortoise मान गया. दौड़ शुरू हुई. Rabbit ने बहुत fast दौड़ते हुए कुछ time बाद पीछे मुड़कर देखा कि tortoise नहीं दिख रहा है तो वह एक tree के नीचे बैठकर Rest करने लगा औऱ उसे नींद लग गई. इधर tortoise धीमी गति से दौड़ते हुए competition जीत गया.

शब्दार्थ -

One day - एक दिन, Rabbit - खरगोश, Tortoise - कछुआ, Deer - हिरण,

Tree - पेड़, Discussion - बातचीत, Proud - घमंडी, Fast - तेज,

competition - प्रतियोगिता, Rest - आराम

प्यासा खरगोश

लेखिका - कु.रोमा ओरकेरा कक्षा- सातवीं, पूर्व माध्यमिक विद्यालय नवापारा कर्रा

एक पेड़ के नीचे एक चींटी बैठी थी. तभी एक खरगोश और हिरण वहां आये. तीनों मित्र जंगल में घूमने चले गए. जंगल में घूमते-घूमते खरगोश को प्यास लगी. पास में कोई तालाब नज़र नहीं आया. तब हिरण बोला - मेरा एक दोस्त कछुआ तालाब में रहता है. चींटी बोली - चलो हम सब वही जाएंगे. फिर तीनों मित्र तालाब के पास गए. खरगोश ने पानी पिया. थोड़ी ही देर में कछुआ तालाब से बाहर निकला. हिरण की नजर कछुए पर पड़ी. हिरण ने कछुए को बुलाया और चींटी तथा खरगोश से मिलवाया. चारों मित्र बन गये.

चींटी और खरगोश

लेखिका - कु.उर्मिला एवं कु.जागृति गंधर्व कक्षा सातवीं

एक पेड़ था. पेड़ के नीचे चींटी थी. चींटी खरगोश को ढूंढ रही थी. तभी वहां पर कछुआ पहुंचा. कछुए ने खरगोश को पूछा - "क्या तुम दोनों लुका-छिपी खेल रहे हो?" खरगोश ने कहा - "नहीं-नहीं, मुझे चींटी पकड़ रही है, इसलिए मैं भाग रहा था. तुमसे बात करके मै अपना समय नष्ट नहीं करूंगा. मुझे जाने दो. मेरा दोस्त हिरण पेड़ के नीचे मेरा इंतजार कर रहा होगा." चींटी थककर पेड़ के नीचे आराम कर रही

थी. तभी हिरण और खरगोश वहां आये. खरगोश ने चीटी से पूछा - "तुम मुझे ही ढूंढ रही हो." चीटी ने कहा - "हां मैं तुम्हें ही ढूंढ रही थी. तुम शायद भूल गए हो कि कुछ साल पहले इसी पेड़ के नीचे हम मिले थे. जब तुम्हें भूख लग रही थी, तब मैंने तुम्हारे लिए खाने की व्यवस्था की थी. उसी वक्त हमारी दोस्ती हो गई थी." खरगोश को याद आ गया. सभी साथ मिलकर खेलने लगे.

अगले अंक के लिये हमें शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय नवापारा, पाली, कोरबा से कक्षा सातवीं की छात्रा कु.रबीना टोप्पो से एक बड़ा सुंदर चित्र प्राप्त हुआ है जिसे हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं. इस चित्र को देखकर जल्दी से कहानी लिखो और हमे dr.alokshukla@gmail.com पर भेज दो. सभी अच्छी कहानियां हम किलोल में प्रकाशित करेंगे.

Roly Poly

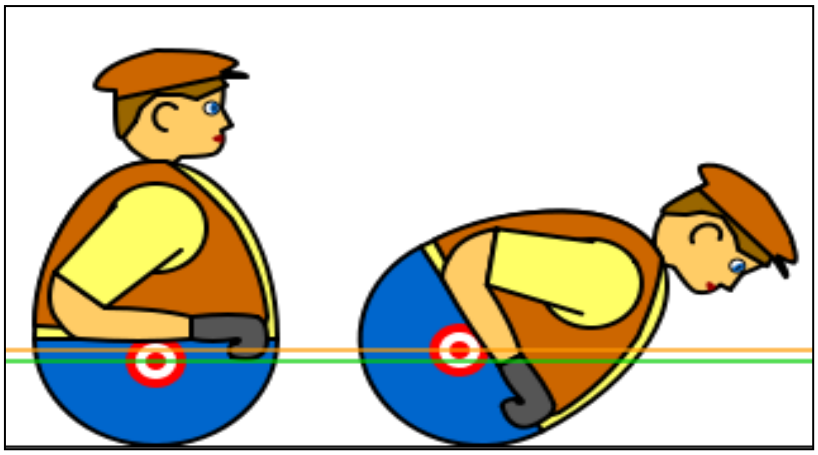

Roly Poly, Roly Poly,
Up-up-up.
Roly Poly, Roly Poly,
Down-down-down.

Roly Poly, Roly Poly,
To your left side,
Roly Poly, Roly Poly,
To your right side.

Roly Poly, Roly Poly,
In-in-in.
Roly Poly, Roly Poly,
Out-out-out.

Roly Poly, Roly Poly,
To your front side.
Roly Poly, Roly Poly,
To your back side.

आओं हंस लें

संकलनकर्ता - डोमेन बढ़ई

शिक्षक - छात्र से आकाश की बिजली और घर की बिजली में क्या अन्तर है.

छात्र - आकाश की बिजली का बिल नहीं आता है, पर घर की बिजली का बिल आता है.

शामू(पिता से) - अन्दर का दरवाजा किसने खोला.

पिता - हवा ने.

शामू - पिता जी जल्दी से उसे पकड़ो मै पुलिस को फोन करता हूँ.

माँ - तुम्हें अपने नए स्कूल मे क्या चीज अच्छी लगी.

संजू - छुट्टी की घण्टी.

चाँद - अगर तुम किसी चीते को देख लो, तो क्या करोगे.

सूरज - कोशिश करूँगा ,वह मुझे न देखे

<u>छत्तीसगढ़ी पहेलियां</u>

संकलनकर्ता - कु. सरोजिनी, कक्षा आठवीं, नवापारा कर्रा पाली कोरबा

1. पहरी ले उतरे झिलमिल कुकरा.
   अनुवाद- पहाड़ से उतरे पंख फैलाकर मुर्गा
   उत्तर - झाड़ू (बहरी) - पहाड़ से जंगली पौधे से झाड़ू बनती है.

2. छितका कुरिया म बाघ गुर्राए.
   अनुवाद- छोटे घर में बाघ की आवाज
   उत्तर - जाता (आटा चक्की) - घरों के जाता से निकलने वाली आवाज.

3. भुंजल मुसवा रूख चढ़ें.
   अनुवाद- जला हुआ चूहा पेड़ चढ़ें.
   उत्तर - कुल्हाड़ी (टांगिया) - भट्ठी में तपाकर कुल्हाड़ी बनाते हैं.

4. बीच तलाव में टेड़गी परसा.
   अनुवाद- तालाब के बीच में टेढ़ी मेढ़ी पलाश का पेड़.
   उत्तर - झिंगा मछली (चिंगरी)

5. एक झन टूरी बीख टोनही.
   अनुवाद- एक लड़की भयंकर टोनही (तीखी)
   उत्तर - मिर्ची (मिरचा)

<u>हिन्दी पहेलियां</u>

संकलनकर्ता - कुलदीप यादव कक्षा छठवीं, नवापारा कर्रा पाली कोरबा

1. अंग्रेजी में ज्यादा होता है, हिन्दी में है पक्षी।
   सावन में पंख पसारे,बुझो एक पहेली अच्छी।।
   उत्तर - मोर

2. सीधी होकर नीर पिलाती।
   उल्टी होकर दीन कहलाती।।
   उत्तर - नदी

3. कांटों से निकले, फूलों में उलझे।
   नाम बताओ तो समस्या सुलझे।।
   उत्तर - तितली

4. एक तालाब रस भरा, बेल पड़ी लहराए।
   फूल खिला बेल पर, फूल बेल को खाए।।
   उत्तर- दीया और बाती

5. पढ़ने में लिखने दोनों में, मैं आता काम।
   कलम नहीं, कागज नहीं, बतलाओ क्या मेरा नाम?
   उत्तर - चश्मा

<u>विज्ञान - जादुई गुब्बारा</u>

लेखिका - कविता कोरी

आज हम आपको रसायन शास्त्र का एक बड़ा ही मजेदार प्रयोग बता रहे हैं जिसमें आपको अम्ल और क्षार की रासायनिक क्रिया देखने और समझने को मिलेगी.

बच्चों के लिए यह एक मजेदार खेल भी है, जिसके माध्यम से वे रसायन शास्त्र के नियम आसानी से समझ सकते हैं. विज्ञान के रोचक प्रयोग बच्चों के लिए ना सिर्फ विज्ञान को सीखना व समझना आसान बना देते हैं, बल्कि उनके बाल मन से विज्ञान का डर भी दूर हो जाता है.

<u>आवश्यक सामग्री</u>: - गुब्बारा, कीप, खाने वाला सोड़ा- 2 चम्मच, सिरका – 300 मिली.

<u>विधि</u>: -

1. एक गुब्बारे में कीप लगा कर इसमें खाने वाला सोडा डालिए.
2. अब सिरके से आधी भरी बोतल के मुंह पर यह गुब्बारा चढ़ा दीजिये.
3. गुब्बारे के अन्दर भरा सोडा धीरे-धीरे सिरके की बोतल में जाने दीजिये और देखिये एक मजेदार रासायनिक क्रिया.
4. आप देखेंगे की बोतल के मुंह पर चढ़ा गुब्बारा तेज़ी से फूल जाता है.

<u>गुब्बारा फूलने का कारण</u> - सिरका असल में एसिटिक एसिड होता है और बेकिंग सोड़ा एक क्षार होता है. दोनों की रासायनिक क्रिया से तेज़ी से कार्बन-डाई-ऑक्साइड गैस बनती है जो इस गुब्बारे को फूला देती है.

सामान्य ज्ञान - मकर संक्रांति का पर्व

आप सब जानते ही हैं कि धरती अपने अक्ष पर लगभग 23.5 अंश झुकी हुई है. इसी कारण धरती से देखने पर सूर्य उत्तर-दक्षिण दिशा में चलता प्रतीत होता है और इसी कारण धरती पर मौसम भी बदलते हैं. जब सूर्य भूमध्य रेखा के 23.5 अंश पर मकर रेखा तक पहुंच जाता है तब उत्तरी गोलार्ध में सबसे अधिक सर्दी होती है. इसके बाद सूर्य पुन: उत्तर की ओर आने लगता है. इसे ही उत्तरायण अथवा मकर संक्रान्ति कहा जाता है. यह त्योहार जनवरी माह के चौदहवें या पन्द्रहवें दिन ही पड़ता है. यह त्योहार पूरे भारत और नेपाल में मनाया जाता है. उत्तर भारत में इसे मकर संक्रान्ति कहते हैं. तमिल नाडु में पोंगल और कर्नाटका केरल तथा आंध्र प्रदेश में केवल संक्रान्ति ही कहते हैं. हरियाणा और पंजाब में इसे लोहड़ी के रूप में मनाते हैं. महाराष्ट्र में इसे हल्दी कुमकुम का त्योहार कहते हैं. बिहार में इसे खिचड़ी कहा जाता है. इस दिन दान करने और तिल-गुड़ तथा खिचड़ी खाने की प्रथा है. इस दिन लोग नदियों के किनारे पिकनिक भी मनाते हैं और शकरकंदी तथा मूंगफली खाते हैं. इस दिन पतंग भी उड़ाई जाती है.

कला - चढ़ने वाले रोबोट

आओ तुम्हें आज चढ़ने वाले रोबोट बनाना सिखाएं. सबसे पहले नीचे चित्र में दिये गए रोबोट काटकर, इन्हें किसी गत्ते पर चिपका दो.

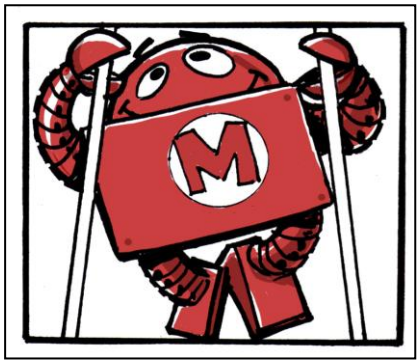

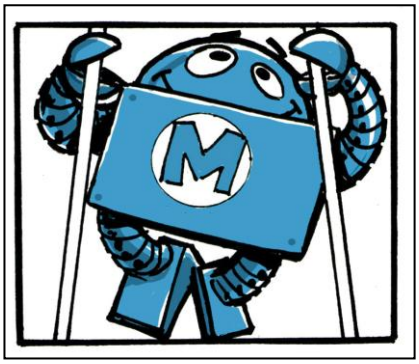

अब नीचे दिए गए चित्र को काट लो और इसे भी गत्ते पर चिपका लो. इसके बाद इसमें चित्र में दिखाए अनुसार छेद बना लो जिसमें से मोटा धागा डाल जा सके.

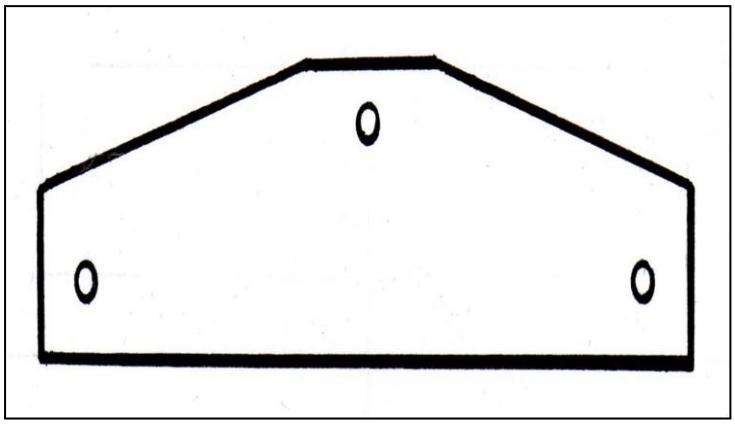

ऊपर के छेद में एक धागा बांधकर उसे किसी कील से अथवा छत से बांध दो जिससे उसे लटकाया जा सके. नीचे के छेदों में 2 अलग-अलग धागे बांध लो. अब रोबोट के पीछे की ओर कोल्ड ड्रिंक पीने वाले स्ट्रा को काटकर चित्र के अनुसार

चिपका लो, और धागा इन रोबोटों के पीछे के स्ट्रा में चित्र में दिखाए अनुसार डाल दो. इसके बाद स्ट्रा के छोटे टुकड़े धागे के अंत में बांधकर हैंडल बना लो.

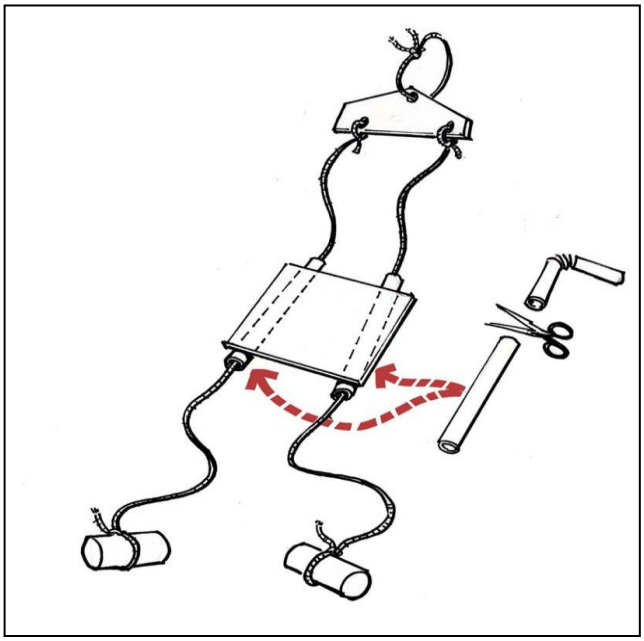

अब धागों को बारी-बारी खींचने पर रोबोट ऊपर चढ़ते जायेंगे. है न मज़ेदार खिलौना.

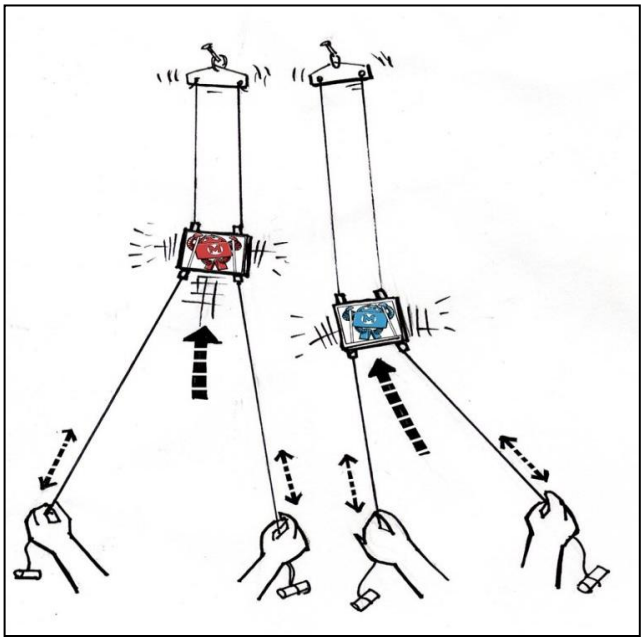

वर्ग पहेली

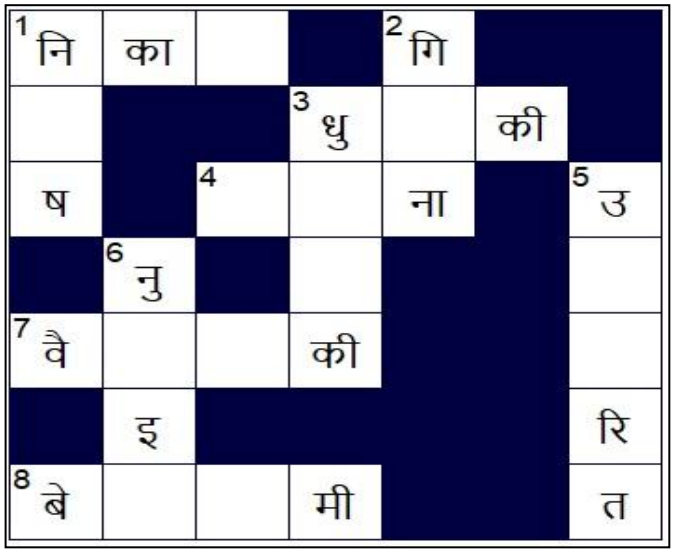

<u>संकेत</u> - बाएँ से दाएँ - 1. बेदख़ल करना, निष्कासन. 3. रुई धुनने का औज़ार 4. व्यर्थ बोलना, बकवास करना 7. वायुयान चलाने का विज्ञान 8. शर्म न होना.

ऊपर से नीचे - 1. पलक झपकने भर का समय या क्षण 2. गिनती करने की क्रिया, किसी को महत्व देना 3. हृदय की तेज़ धड़कन धकधक 5. जिसका उपचार किया गया हो 6. दिखावा, ठाठ-बाट, तड़क-भड़क, अद्भुत वस्तुओं का प्रदर्शन

हल